पत्रिका हरित प्रदेश अभियान: नर्मदा महाविद्यालय में हुआ पौधारोपण, पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी लेने का भी किया आग्रह

औषधीय और फलदार पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पत्रिका हरित प्रदेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नर्मदापुरम. हरियाली बचाने का संदेश अब शब्दों से आगे बढ़कर धरती पर उतर रहा है। पत्रिका के हरित प्रदेश अभियान के तहत सोमवार को नर्मदा महाविद्यालय परिसर में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। कॉलेज के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने मिलकर औषधीय और फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और अभियान की सराहना की।

कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य डॉ. राम कुमार चौकसे के मार्गदर्शन में शिक्षक और छात्र-छात्राएं उत्साह के साथ शामिल हुए। प्राचार्य डॉ. चौकसे ने कहा कि हरियाली ही जीवन का आधार है। बढ़ते तापमान और प्रदूषण से बचने के लिए हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी लें, तभी हरित प्रदेश का सपना साकार होगा।

इस अवसर पर डॉ. संजय चौधरी, डॉ. अमिता जोशी, डॉ. केजी मिश्र, डॉ. रवि उपाध्याय, डॉ. राजेश दीवान, डॉ. जेके कमलपुरिया, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. सुधीर दीक्षित, डॉ. सविता गुप्ता, डॉ. ममता गर्ग, डॉ. प्रीति उदयपुरे, डॉ. मधुकर इटेवार, डॉ. दिवाकर महोबिया, डॉ. केशव मिश्रा, डॉ. अंजना यादव सहित समस्त प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान हरियाली के महत्व और पर्यावरण बचाने के संदेश दिए गए। विद्यार्थियों ने कहा कि पत्रिका का यह अभियान उन्हें प्रकृति से जोड़ने में मददगार साबित हो रहा है।

विभिन्न प्रकार के पौधों का हुआ रोपण

कॉलेज परिसर में कदंब, सिंदूरी, पारस पीपल, शहतूत, गुलमोहर, मौलश्री जैसे छायादार वृक्ष लगाए गए। इसके साथ आम, जामुन, बेल, कबीट, अमरूद, आंवला, करंज, नीबू, करौंदा जैसे फलदार और औषधीय पौधों का भी रोपण किया गया।

पौधे रोपने के साथ शीडबॉल भी बिखेरी

वनस्पति शास्त्र के विद्यार्थियों ने विशेष पहल करते हुए ककोड़ा, कुंदरू, करेला, बल्हार, नींबू, करौंदा जैसी जंगली सब्जियों और फलों के बीजों की सीड बॉल बनाकर परिसर में बिखेरीं। इन सीड बॉल से बारिश में नए पौधे उगने की संभावना बढ़ेगी।